आईआईएम रांची का फाउंडेशन डे मना, फैकल्टीज ने पिछले 18 माह में मैनेजमेंट से जुड़े 200 रिसर्च पेपर पब्लिश किए

IIM कोलकाता के मेंटरशिप में 44 स्टूडेंट्स के साथ शुरू हुआ था IIM रांची, आज 7 प्रोग्राम में 1180 छात्र हैं

सिटी रिपोर्टर | रांची

15 दिसंबर 2009 में आईआईएम रांची का अस्थाई कैंपस का नींव सूचना भवन रखा गया। वहीं क्लास की शुरुआत 5 जुलाई 2010 से शुरू हुई। इसके साथ ही कांके रोड में सेटेलाइट ऑफिस और खेलगांव में हॉस्टल की व्यवस्था की गई। जब आईआईएम रांची की शुरूआत हुई तो इसकी मेंटरशिप आईआईएम कोलकाता द्वारा की जाती थी। वहां के प्रोफेसर आकर छात्रों को पढ़ाते थे। तब एक प्रोग्राम में 44 स्टूडेंट्स पढ़ाई करते थे। बहुत कम समय में संस्थान ने देशभर में अपनी पहचान बनाई। पिछले साल संस्थान को अपना स्थाई कैंपस मिला। जहां वर्तमान में 7 प्रोग्राम में 1180 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं 61 फैकल्टी अपनी सेवा दे रहे हैं। शुक्रवार को आईआईएम रांची का 15वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार के सदस्य रामास्वामी बालासुब्रमण्यम, चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नस प्रवीण शंकर पांड्या, संस्थान के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इसमें उन्होंने कहा कि अपने जीवन में इनोवेटिव सोच, व्यवहारिक ज्ञान, डिजिटल लिटरेसी आदि का होना महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय के अनुसार अपनी स्किल को बेहतर करने का प्रयास करते रहें। एंटरप्रन्योर बनें देश के विकास में अपना योगदान दें। डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान की यात्रा के बारे में बताया।

सेकेंड जेनरेशन आईआईएम में सबसे ज्यादा फैकल्टी रांची में

कार्यक्रम में शामिल अतिथि व स्टूडेंट्स।

60 एकड़ में फैला हुआ है नया कैंपस

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरा के दौरान आईआईएम रांची के नए कैंपस का उद्घाटन किया गया। आईआईएम रांची का नया कैंपस 60 एकड़ में फैला हुआ है। जो 280 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसमें सभी लेटेस्ट तकनीकों से लैस 20 क्लासरूम, 684 रूम के तीन हॉस्टल ब्लॉक, 650 लोगों के बैठने लायक ऑडिटोरियम है।

पिछले एक साल में लिए कई अहम निर्णय

- वर्तमान जरूरत अनुसार पाठ्यक्रम में किया गया बदलाव, भारत में जनजाति, जनजातीय भाषा को किया गया शामिल
- आईपीएम के अंडरग्रेजुएट पार्ट के अनिवार्य पाठ्यक्रमों में नए विषय साइंस ऑफ हैप्पीनेस, सस्टेनिबीलिटी, सोशल वर्क और ट्राइब्स इन इंडिया को जोड़ा गया।

-आईपीएम के पहले तीन वर्षों में एनरिचमेंट इलेक्टिव नामक वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसके तहत सिनेमैटोग्राफी, जल प्रबंधन, खेल प्रबंधन, स्टोरी टेलिंग, ह्यूमन कनेक्ट, नाटक और रंगमंच, कला और चित्रकला आदि पाठ्यक्रम शामिल किया गया।

- छात्रों को मानसिक तनाव से दूर व सामाजिक जुड़ाव के लिए ह्यूमन कनेक्ट प्रोग्राम शुरू किए गए। -स्कूली छात्रों के लिए यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम शुरू किए गए।

आईआईएम रांची से जुड़े तथ्य

- अब तक का हाइएस्ट पैकेज 64 लाख रुपए प्राप्त हुआ
- एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम रांची 24 वें स्थान पर है
- अब तक एमबीए के 12 बैच और एमबीए एचआरएम के 10 बैच पासआउट हुए
- सत्र 2021-23 तक एमबीए,एमबीए-एचआरएम, एमबीए बीए में कुल 2572 स्टूडेंट्स पासआउट हुए

आगे का लक्ष्य

- संस्थान द्वारा स्ट्रेटेजिक प्लान 2030 निर्धारित किया गया है। इसमें एजुकेशन, इंटरनेशनल कोलाब्रेशन, इंपैक्टफुल रिसर्च व सोशल इंपेक्ट शामिल है।
- इंटरनेशनल एक्रीडिटेशन प्राप्त करना।
- दूसरे देशों के मैनेजमेंट शिक्षकों को अपने संस्थान में बुलाएंगे। जो तीन माह से एक साल तक संस्थान के छात्रों को शिक्षित करेंगे।

Dainik Bhaskar_16.12.2023_Pg. 05